प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

फसलों में खरपतवार प्रबन्धन पर प्रशिक्षण

पन्तनगर। 1 मार्च 2025। गोलापार ग्राम किशनपुर रैक्वाल गंगापुर में श्री देवेन्द्र बिष्ट कृषक के प्रक्षेत्र पर किसानों को खरपतवार प्रबन्धन पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें खरपतवार प्रबन्धन परियोजना के परियोजनाधिकारी डा. एस. पी. सिंह, डा. तेज प्रताप वरिष्ठ प्राध्यापक ने विभिन्न फसलों में खरपतवार प्रबंधन पर किसानो के साथ विमर्श किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन डा. एस.पी. सिंह ने किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्राम किशनपुर रैक्वाल के ग्राम प्रधान श्रीमती ममता बिष्ट के प्रतिनिधि श्री घनश्याम सिंह उपस्थित थे। डा. तेज प्रताप ने रबी फसलों में खरपतवार की समस्या की तरफ किसान भाइयों का ध्यान आकर्षित करते हुये बताया कि अगर किसान भाई अपने खेतों में खरपतवार उगाते हुये नहीं देखना चाहते है तो उन्हें फसलों के शुद्ध बीजों की ही बोआई करनी चाहिए। सड़ी हुई गोबर की खाद प्रयोग करना चाहिए। प्रत्येक 3 वर्ष बाद बीजों को बदल देना चाहिए तथा लगातार लम्बे समय तक एक ही शाकनाशी प्रयोग नही करना चाहिए। डा. तेज प्रताप ने पशुओं के चारे की वजह से फसलों मे खरपतवार को न छोड़े क्योंकि जब तक चारे हेतु खरपतवारों को निकाला जाता है तब तक खरपतवार फसल का काफी नुकसान कर चुके होते है। अब बाजार में शाकनाशियों के नये–नये उत्पाद आ गये है जिनसे अब सभी प्रकार के खरपतवारों का नियन्त्रण किया जा सकता है। प्राय : यह देखा जाता है कि किसान भाई स्प्रे के लिए घोल बनाते समय संस्तुति से अधिक अथवा कम पानी का प्रयोग करते है, जिससे खरपतवारों का ठीक से नियन्त्रण नही होता है। डा. एस.पी. सिंह ने आगामी जायद एवं खरीफ की फसलों में खरपतवारों से हाने वाले नुकसान तथा नियन्त्रण की अनेक विधियों की विस्तार से चर्चा की तथा शाकनाशी प्रयोग की तकनीकियों के बारे में चर्चा करते हुये बताया कि खरपतवारनाशियों के छिड़काव के लिए हमेशा फ्लेंट फेन कट नॉजल का प्रायोग उचित होता है। डा. एस.पी. सिंह ने मक्का, सोयाबीन, मूँग, उड़द, प्याज एवं धान में किन खरपतवार नाशियों का प्रयोग कितनी मात्रा में और कब प्रयोग करें बारे में किसानों को विस्तार पूर्वक बताया। डा. सिंह ने किसानों को सही मात्रा में शाकनाशियों का सही तरीके से घोल बनाने तथा बुम नोजलका प्रयोग करनें पर जोर दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में के.वी.के. ज्योलीकोट, नैनीताल की सस्य विज्ञान विभाग की वैज्ञानिक डा. कंचन नैनवाल ने किसानों को जागरूक करते हुये बताया कि खरपतवारों से फसलों को काफी नुकसान होता है इसलिए सभी किसान भाई एवं बहने वैज्ञानिक तरीके अपनाकर खरपतवारों पर प्रभावी नियन्त्रण करके फसलों का उत्पादन बढ़ा सकते है। प्रशिक्षण में लगभग 100 पुरूष एवं महिला कृषक उपस्थि थे परियोजना की तरफ से सभी किसान भाई–बहनों की विभिन्न खरीफ फसलों में प्रयोग होने वाले नये शाकनाशियों का वितरण किया गया। प्रशिक्षण परियोजना के वरिष्ठ शोधार्थी विशाल विक्रम सिंह, धमेन्द्र कुमार, राजीव एवं कृषक श्री देवन्द्र विष्ट महेशराम, सोबन सिंह, रमेश सिंह मंजु सम्मल, रमा देवी, खष्टी देवी के साथ–साथ अन्य किसान भी उपस्थित थे। प्रशिक्षण मे समाज सेवी श्री नीरज रैक्वाल भी उपस्थित रहे। सभी किसान भईयों बहनों ने अपनी समस्याओं को वैज्ञानिकों के समक्ष रखा और उसके समाधान के विषय में जानकारी ली।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषकों के साथ अधिकारीगण।

निदेशक संचार